

महर्षि वाल्मिकी ने भगवान राम का नाम अमर कर दिया - राज्यपाल
राज्यपाल ने वाल्मिकी समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया
वाल्मिकी समाज की समस्याओं पर विचार करने का आश्वासन दिया

लखनऊ: 08 अक्टूबर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज महर्षि वाल्मिकी आश्रम परिवर्तन चैक द्वारा आयोजित श्री आदि कवि महर्षि वाल्मिकी जन्मोत्सव में मुख्य अतिथि के तौर पर बोलते हुए कहा कि पूरा देश महर्षि वाल्मिकी का कृतज्ञ है। महर्षि वाल्मिकी बुद्धि के देवता हैं। महर्षि वाल्मिकी ने ज्ञान के बल पर रामायण की रचना की। उन्होंने आह्वान किया कि देश को खुशहाल बनाने के लिए रामायण द्वारा दिखाई गयी दिशा पर चलने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि रामायण में भगवान राम की महिमा का सुंदर वर्णन किया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि वाल्मिकी रामायण का कई भाषाओं में रूपांतरण हुआ है तथा चित्रों एवं गीत के माध्यम से भी चित्र रामायण व गीत रामायण बनाये गये हैं। भगवान राम भारत में पुरुषोत्तम राम के नाम से जाने जाते हैं तथा सुख-दुःख में भगवान राम का नाम लिया जाता है। महात्मा गांधी भी देश की आजादी के बाद राम जैसा राज लाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मिकी ने भगवान राम का नाम अमर कर दिया।

श्री नाईक ने वाल्मिकी समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि वे समाज को साफ सुथरा करने का काम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी स्वच्छ भारत का सपना साकार करने के लिए स्वच्छता अभियान शुरू किया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वाल्मिकी समाज द्वारा दिये गये मांग पत्र के संबंध में वे देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वाल्मिकी समाज अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने लिए प्रोत्साहित करें।

इस अवसर पर राज्यपाल ने शोध, एम०बी०ए०, बी०टेक० आदि में उच्च अंक प्राप्त करने वाले वाल्मिकी समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया।



